

व्यक्ति जैसे- यहाँ बहुत से फल हैं, तुम भी कोई ले लो। 3 एक भी (मनुष्य) जैसे- वहाँ कोई नहीं पहुँचा मुहा. कोई एक या कोई सा- जो चाहे सो एक वि. 1. ऐसा एक (मनुष्य या पदार्थ) जो अज्ञात हो, न जाने कौन एक जैसे- वहाँ कोई गया है मुहा. कोई दम का मेहमान- थोड़े समय तक जीने वाला, शीघ्र मरने वाला; 2. बहुतों में से चाहे जो एक जैसे- इसमें से कोई एक चला जाए 3. एक भी, कुछ भी जैसे- कोई चिंता नहीं, क्रि.वि. लगभग, करीब करीब जैसे- कोई पाँच बजा होगा कि मैं जाग गया।

कोक पुं. (तत्.) 1. चकवा पक्षी, चक्रवाक, सुरखाब 2. एक पंडित का नाम जो रतिशास्त्र का आचार्य था 3. विष्णु 4. मेंढक।

कोक आगम पुं. (तत्.) कामशाला, कामकला।

कोकई वि. (तुर्की.) ऐसा नीला जिसमें गुलाबी की झलक हो, कौडियाला पुं. नील, शाहाब और मजीठ के योग से बना कौडियाला रंग।

कोककला स्त्री. (तत्.) रतिविद्या, संभोग संबंधी विद्या।

कोकट वि. (तद्.) मटमैले रंग का, गंदा।

कोकटी स्त्री. (तद्.) 1. मुलायम सूत की, बिना किनारे की घुटने तक ही चौड़ी धोती जिसे पहले मिथिला में शिष्ट लोग पहनते थे 2. एक प्रकार का रंग, जो लाली लिए हल्का पीला होता है।

कोकदेव पुं. (तत्.) 1. कोकशास्त्र या रतिशास्त्र के रचयिता 2. सूर्य 3. कपोत, कबूतर।

कोकनद पुं. (तत्.) लाल कमल, लाल कुमुद।

कोकना स.क्रि. (फा.) कच्ची सिलाई करना, कच्चा करना, लंगर डालना अ.क्रि. (देश.) बुलाना, चिल्लाना।

कोकनी पुं. (तद्.) एक प्रकार का तीतर वि. (देश.) 1. छोटा, नन्हा 2. जैसे कोकनी केला 2. घटिया, निकृष्ट।

कोकबंधु पुं. (तत्.) 1. सूर्य, रवि 2. संगीत का छठ भेद जिसमें नायिका, नायक, रस, रसाभास, अलंकार, उद्दीपन, आलंबन, समय और समाज

आदि का ज्ञान आवश्यक होता है 3. विष्णु 4. भेड़िया 5. मेंढक 6. जंगली खजूर 7. कोयल 8. छिपकली या गिरगिट।

कोकशासन पुं. (तत्.) कोककृत रतिशासन।

कोकशास्त्र पुं. (तत्.) आचार्य कोकदेव द्वारा रचित कामशास्त्र विषयक ग्रंथ।

कोकहर पुं. (तत्.) चकवा का आनंद हरने वाला, चंद्रमा।

कोका पुं. (अं.) दक्षिणी अमेरिका का एक वृक्ष जिसकी पत्तियाँ चाय या कहवे की भाँति होती हैं और इसी से कोकीन निकलता है स्त्री. (तु.) धाय की संतान, दूध पिलाने वाली की संतति, दूधभाई, दूधबहन पुं. (देश.) एक प्रकार का कबूतर स्त्री. (तत्.) कुमुदिनी।

कोकाबेरी स्त्री. (देश.) नीली कुमुदिनी जिसका आटा व्रत में खाया जाता है।

कोकाबेली स्त्री. दे. कोकाबेरी।

कोकाह पुं. (तत्.) सफेद रंग का घोड़ा।

कोकिल पुं. (तत्.) 1. कोयल 2. नीलम की एक छाया 3. एक प्रकार का चूहा जिसके काटने से जलन होती है और ज्वर आता है 4. छप्पय का एक भेद 5. जलता हुआ अंगारा।

कोकिलकंठी स्त्री. (तत्.) कोयल जैसा मधुर बोलने वाली।

कोकिलबैनी स्त्री. (तत्.+तद्.) दे. कोकिल कंठी।

कोकिला स्त्री. (तत्.) 1. कोयल, पिक 2. आग का अंगारा।

कोकिलाख पुं. (तद्.) ताल के साठ मुख्य भेदों में से एक।

कोकिलाप्रिय पुं. (तत्.) संगीत में एक ताल जिसमें एक प्लुत (प्लुत की तीन मात्राएँ), एक लघु (लघु की एक मात्रा), और फिर एक प्लुत होता है।

कोकिलावास पुं. (तत्.) आम का वृक्ष, रसालतरु।

कोकिलेष्टा स्त्री. (तत्.) बड़ा जामुन, फरेंदा।